



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 201]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 1, 2000/भाद्र 10, 1922

No. 201]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 1, 2000/BHADRA 10, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2000

अंतिम जांच परिणाम

विषय : यू. एस. ए. तथा जापान से एनीलिन के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच।

33/1/99-डी जी ए डी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

1. प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

(क) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक की अधिसूचना द्वारा यू एस ए तथा जापान से एनीलिन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था;

(ख) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर उक्त निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;

(ग) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए दिनांक 16.5.2000 को अवसर प्रदान किया। मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए की गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ता तथा उपयोगकर्ता उद्योग के सदस्य मौखिक सुनवाई में उपस्थित थे। जापान के निर्यातक ने मौखिक सुनवाई में भाग नहीं लिया;

(घ) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों तथा दिए गए तर्कों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उनके अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी;

(ङ.) याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है;

(च) उपरोक्त नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधार का ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के लिए खुलासा किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है।

(छ) इस अधिसूचना में प्रयुक्त *** किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है और नियमों के तहत प्राधिकारी ने इसे वैसा ही माना है।

ख. जांचाधीन उत्पाद

2. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद एनीलिन है, जो एनीलिन तेल के नाम से भी जाना जाता है। एनीलिन का जब आसवन किया जाता है तब यह एक पारदर्शी, तैलीय, रंगहीन से हल्का पीला एक तरल होता है। यह प्रकाश अथवा हवा में गहरा हो जाता है। एनीलिन एक प्राथमिक अमीन यौगिक है और एक मौलिक कार्बनिक रसायन है जो औषधि, भेषजीय उत्पाद, रंग एवं इसके अंतर्वर्ती उत्पाद जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों के लिए आवश्यक है। एनीलिन का उपयोग रबड़ रसायन, विस्फोटक, रेजिन इत्यादि जैसे कुछ अन्य उद्योगों में भी होता है।

एनीलिन रबड़ रसायन (वल्कनाइजेशन, एक्सेलेरेटर्स, एंटीऑक्सीडेंट्स); रंग; एनालजिन जैसी औषधियाँ; सल्फा औषधि; फोटोग्राफिक रसायन (हाइड्रोक्विनन); आइसोसाइनेट्स (एम डी आई अथवा मिथिलीन डाईफिनाइलीन डाई-आइसोसाइनेट्स) के लिए एक अन्तर्वर्ती उत्पाद है। भारत में एनीलिन के उत्पादन के 70 % का उपयोग रबड़ रसायन, औषधि एवं औषधीय अंतरवर्ती उत्पाद तथा रंगाई उद्योगों में होता है जबकि पूरे विश्व में एनीलिन के उत्पादन के 80 % का उपयोग एम डी आई में किया जाता है।

एनीलिन का वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के तहत सीमाशुल्क उपशीर्ष सं० 2921.41 के तहत किया गया है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद संबंधी प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

ग. समान वस्तुएँ

3. एनीलिन का उत्पादन और इसकी बिक्री आईएसआई मानकों के विनिर्देशनों के अनुसार की जाती है जो इसके रासायनिक गुणों का चित्रण करता है। एनीलिन की गुणवत्ता का वर्णन इसकी शुद्धता के रूप में किया जाता है। मानक गुणवत्ता वाले एनीलिन में भार के हिसाब से साधारणतः 99.8% शुद्धता होती है। तथापि, एनीलिन के उत्पादन के लिए प्रक्रिया, उपकरण अथवा प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

इस बात को तय करने में कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एनीलिन संबद्ध देशों से निर्यातित एनीलिन के समान वस्तु है, तकनीकी विशिष्टताओं, विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र एवं उपकरण, प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, विपणन एवं ग्राहक-बोधता तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है।

इस बात पर विवाद करने के लिए कोई तर्क नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एनीलिन की विशेषताएं आयातित उत्पाद से काफी मिलती-जुलती हैं और संबद्ध देशों से आयातित एनीलिन द्वारा इसका वाणिज्यिक तथा तकनीकी दोनों रूपों से प्रतिस्थापन हो सकता है। नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एनीलिन को जापान तथा यूएसए द्वारा निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है।

प्राधिकारी समान वस्तु संबंधी प्रारम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

घ. घरेलू उद्योग

4. मै. हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक कैमिकल्स लि. (एचओसीएल), मै. नर्मदा केमाटुर पैट्रो-कैमिकल्स लि. (एनसीपीएल) तथा मै. एनीरॉक्स पिगमेंट्स लि. ने संयुक्त रूप से याचिका दायर की है। ये तीनों इकाईयाँ ही भारत में एनीलिन के उत्पादक हैं। इसलिए याचिकाकर्ता कम्पनियों का घरेलू उत्पादन में 100% हिस्सा है और नियमों के तहत याचिका दायर करने का इनके पास अपेक्षित आधार है।

प्राधिकारी प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा छ-7 में यथा वर्णित घरेलू उद्योग के संबंध में उल्लिखित स्थिति की पुष्टि करते हैं।

ड. पाटन

5. जापान

मै. सुमिटोमो कैमिकल कम्पनी लि. द्वारा दिए गए तर्क

मै० सुमिटोमो कैमिकल कं० लि० ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का जवाब दिया है और उन्हें सहयोग दिया है ।

जैसाकि प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा झ-9 में कहा गया है कि निर्यातक ने यह कहा है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान 268 मी.टन एनीलिन का निर्यात किया है । उक्त 268मी.टन में से 251.86 मी.टन का निर्यात मई, 1998 में किया गया तथा 16 मी.टन का निर्यात जून, 1998 में किया गया था । उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत के क्रताओं को किए गए उक्त निर्यात के लिए संबद्ध बीजकों तथा लदान-पत्रों की प्रतियां प्रस्तुत की हैं । इसमें दर्शाई गई सीआईएफ कीमत 251.86 मी.टन एनीलिन के लिए *** (सीआईएफ) अमरीकी डालर तथा 16मी. टन एनीलिन के लिए *** (सीआईएफ) अमरीकी डालर है । इन दोनों के बीच इस कीमत अंतर का कारण बेचे गए उत्पाद की मात्रा में अन्तर होना बतलाया गया था ।

प्राधिकारी द्वारा सुमिटोमो कैमिकल कम्पनी के जवाब तथा प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा ज(1) में दी गई उपलब्ध सूचना के आधार पर की गई सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की जांच से यह पता चलता है कि परिशिष्ट 3क, ख तथा ग में दी गई सूचना, जो घरेलू बिक्री तथा निर्यात दोनों के लिए कीमत संरचना तथा बिक्री की व्यवस्था से संबंधित है, प्रस्तुत की गई है । घरेलू तथा निर्यात बाजार में बेची गई समान वस्तुओं के लिए ली गई इकाई कीमत संबंधी ब्यौरा, जो कारखाना द्वार स्तर के बाद के शुल्कों की प्रकृति एवं राशि को दर्शाता है, उपलब्ध है । जहां परिशिष्ट 4 क के अनुसार लाईसेंसित/प्रतिस्थापित क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री संबंधी सूचनाएं दी गई हैं वहीं परिशिष्ट 4ख, ग तथा घ के अनुसार घरेलू तथा निर्यात बाजार में उत्पादन लागत/निर्माण एवं बिक्री की इकाई लागत तथा लाभ संबंधी सूचनाएं प्रस्तुत नहीं की गई हैं। घरेलू बिक्री कीमत को दर्शाने वाली कीमत सूचियों की प्रतियां प्रस्तुत की गई हैं । निर्यातक द्वारा यह कहा गया है कि वे विनिर्माण लागत संबंधी आंकड़े प्रस्तुत करना नहीं चाहते हैं क्योंकि यह एक अत्यधिक संवेदनशील व्यापारिक रहस्य है ।

निर्यातक एक बहु-उत्पादक विनिर्माता कम्पनी है। प्राधिकारी को जो निवल बिक्रियां और बिक्रियों की लागत प्रस्तुत की गई थी वह उनके उत्पाद की कुल बिक्रियाँ हैं। लाभ और हानि खातों के विस्तृत ब्यौरे के बारे में निर्यातक ने केवल उन आंकड़ों को प्रकट किया है जो उनके वित्तीय ब्यौरों से एकत्र किए जा सकते हैं जो जनता के लिए खुले होते हैं। एनिलीन के बारे में कमानी कम्पनी के लाभ-हानि खातों के संबंध में सूचना रोक ली गई है क्योंकि सूचना उनकी कम्पनी के लिए गोपनीय रखी जानी है।

(क) सामान्य मूल्य

निर्यातक द्वारा दायर उत्तर (परिशिष्ट 2 ख) से यह देखा जा सकता है कि किग्रा. अमरीकी डालर के रूप में उसके मूल्य के अनुसार जांचाधीन उत्पाद की घरेलू बिक्री निम्नानुसार रही थी:-

उत्पाद	घरेलू बाजार में बिक्रियां		
	इकाई (किग्रा.)	मूल्य(डालर)	येन
एनिलीन	***	***	***

प्रति किग्रा. औसत कीमत *** येन अथवा *** अमरीकी डालर बनती है (जांच अवधि के दौरान 1 अमरीकी डालर = 128-01 येन की औसत विनिमय दर पर)

प्रश्नावली के उत्तर की परिशिष्ट 2 ख में दिए गए आंकड़ों से निकाली गई भारत औसत घरेलू बिक्री कीमत और सूची कीमत स्तर पर कीमत *** येन/प्रति किग्रा. है। घरेलू बिक्रियों (परिशिष्ट 3ख) के लिए बिक्री कीमत संरचना में कारखानागत कीमत के बाद प्रभारों के कारण किए गए समायोजनों में शामिल हैं - स्वदेशी भाड़ा (*** येन/किग्रा.), भण्डारण (*** येन/किग्रा.), हैंडलिंग (*** येन/किग्रा.)। कारखानागत कीमत के बाद उपरोक्त प्रभारों के कारण कुल लागत *** येन/किग्रा. आती है। प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों के समय भण्डारण लागत पर प्रभार लगाने की अनुमति नहीं दी थी क्योंकि निर्यातों के लिए बिक्री कीमत ढांचे में प्रभार नहीं लगाया गया था। तथापि, प्राधिकारी को दिनांक 28.4.2000 को लिखे अपने पत्र में निर्यातक ने (i) घरेलू बिक्रियों के लिए भण्डारण लागत और (ii) भुगतान अवधि की भिन्नता के कारण होने वाले समायोजन के बारे में स्पष्टीकरण दिया है। एससीसी ने कहा है कि वह अपने ग्राहकों को एनिलीन की सुपुर्ग्री घरेलू

स्टॉक केन्द्रों के जरिए करता है जबकि इसका निर्यात उनकी फैक्ट्री के पत्तन से बिना भण्डारण लागत के किया जाता है। एनिलीन के घरेलू स्टॉक केन्द्र से भण्डारण की एक प्रति दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत की गई है जो जापान के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए नियत एनिलीन के भण्डारण के लिए मासिक टैंक किराए के रूप में *** मिलियन येन के अपने वास्तविक भुगतान की पुष्टि करती है। भण्डारण लागत *** रूपए/किग्रा. (= *** येन/किग्रा.) आंकी गई है जो कारखानागत घरेलू कीमत का परिकलन करने में कम हो जाती है।

किसी घरेलू ग्राहक को दिए गए बिल की एक प्रति घरेलू बिक्री की मानक भुगतान अवधि *** दिवस के एक दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में उपलब्ध की गई है। इस ब्याज दर समायोजन को ***रूपए/किग्रा. (= *** येन/किग्रा.) बताया गया है जो कारखानागत घरेलू बिक्री कीमत का परिकलन करने में भी कम हो जाएगी। प्रश्नावली के अपने उत्तर में निर्यातक द्वारा किया गया परिकलन प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया है।

उपरोक्त सभी समायोजनों को ध्यान में रखने के बाद कारखानागत सामान्य मूल्य 1 अमरीकी डालर = 128.01 येन की औसत विनिमय दर पर *** येन अथवा *** अमरीकी डालर बैठता है।

घरेलू उद्योग द्वारा दिया गया तर्क

यह अनुरोध है कि निर्यातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को पूरा सहयोग नहीं दिया है। जब निर्यातक द्वारा उत्पादन लागत जैसी महत्वपूर्ण सूचना प्रदान नहीं की गई है तब हम यह समझने में विफल रहे कि निर्यातक ने यह कैसे सिद्ध किया है कि घरेलू बाजार में उसकी बिक्री व्यापार के सामान्य स्वरूप में हुई थी। अनुरोध है कि कम्पनी के संबद्ध सामान के लाभ-हानि के लेखे पर्याप्त नहीं हैं। यह विल्कुल संभव है कि जब कम्पनी ने संबद्ध सामान से संबंधित प्रचालनों में लाभ कमाया भी हो तब भी घरेलू बाजार में उसकी बिक्रियां व्यापार के सामान्य स्वरूप में नहीं हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि कोई कम्पनी यह कहने के लिए स्वतंत्र नहीं है कि वह यह सूचना प्रदान नहीं करेगी क्योंकि यह व्यापार से जुड़ा अत्यधिक संवेदनशील गुप्त मामला है। जब विश्व कर के सभी हितबद्ध पक्षों को इस किस्म की सूचना जांच कर्ता प्राधिकारियों को देनी होती है तब सुमितोमो एक अपवाद नहीं हो सकती है। यह बात भी नोट करना संगत है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को कम्पनी द्वारा सूचना न देने का कार्य कम्पनी का एक जानबूझ कर और सोच समझ कर लिया गया निर्णय है। चूंकि

कम्पनी ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना न देने से इनकार कर दिया है इसलिए हम ऐसा महसूस करते हैं कि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस कम्पनी को एक असहयोगी कम्पनी मानकर आगे की कार्यवाई कर सकते हैं ।

प्राधिकारी के विचार

जैसाकि प्रकटीकरण विवरण में पहले ही नोट किया गया है, निर्यातक एक बहु-उत्पाद निर्माता कम्पनी है । प्राधिकारी को जो निवल बिक्रियों और बिक्रियों की लागत के ब्यौरे प्रस्तुत किए गए थे वह उनके उत्पाद की कुल बिक्री से संबंधी थे, जो इन जांचों के लिए असंगत हैं । लाभ-हानि लेखा के विस्तृत ब्यौरे के बारे में निर्यातक ने केवल वे आकड़े प्रस्तुत किए हैं जो उनके वित्तीय विवरणियों से एकत्र किए जा सकते हैं जो जनता के लिए खुले होते हैं । प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि एनिलीन के बारे में कम्पनी के लाभ-हानि के लेखों के बारे में यथा वांछित महत्वपूर्ण सूचना निर्यातक द्वारा रोक ली गई है जबकि उनकी कम्पनी के लिए सूचना गोपनीय रखी जानी है ।

इस बारे में, निर्यातक का ध्यान पाटनरोधी डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद-2.1 में निहित प्रावधानों की ओर आकर्षित किया गया था जिनमें यह कहा गया है....."किसी उत्पाद को पाटित किया हुआ तभी माना जाएगा.....जब एक देश से दूसरे देश में निर्यातित उत्पाद की निर्यात कीमत व्यापार के सामान्य स्वरूप में निर्यातक देश में उपभोग के लिए नियत समान उत्पाद के लिए तुलनीय कीमत से कम हो" ।

मैसर्स सुमितोमो कैमिकल्स लि. को सूचित किया गया था कि यदि उसने इस प्रकटीकरण विवरण के जवाब में एनिलीन के लाभ-हानि के ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए तो प्राधिकारी नियमों के तहत निर्यातकों के प्रत्युत्तर के आधार पर पृथक् गोपनीय प्रकटन-पत्र में उन्हें यथा प्रकटित समान वस्तु के कारखानागत सामान्य मूल्य पर विचार न करने के लिए बाध्य होंगे और 1 अमरीकी डालर = 42.2 रूपए की औसत विनिमय दर पर संबद्ध वस्तु की परिकलित लागत.....रूपए/प्रति किग्रा. मानेंगे ।

प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि निर्यातक ने कारखानागत सामान्य मूल्य के परिकलन में कोई आपत्ति नहीं की थी । तथापि, जापान के घरेलू बाजार में एनिलीन की बिक्री के बारे में लाभ-हानि के संबंध में, यथा मांगे गए, प्रकटन-पत्र में, निर्यातक के वक्तव्य के अभाव में प्राधिकारी—अमरीकी डालर/मी टन अथवा—अमरीकी डालर/किग्रा. की दर पर संबद्ध सामान की परिकलित लागत अंगीकार करने के लिए बाध्य है ।

(ख) निर्यात कीमत**मी० सुमितोमो कैमिकल कम्पनी लि० द्वारा दिए गए तर्क:-**

एससीसी की भारत को हुई निर्यात बिक्री की सी आई एफ कीमत 251.86 मी० टन के लिए *** अमरीकी डालर तथा 16 मी० टन के लिए *** अमरीकी डालर है । इन कीमतों के आधार भारत को हुए निर्यात के लिए बिक्री कीमत ढांचा परिशिष्ट 3क-1, 3क-2 तथा 3क-3 में तैयार किया गया है । परिशिष्ट 3क1 मई में एस सी सी के 251.86 मी० टन के निर्यात के आधार पर, कारखाना स्तर पर कीमत की गणना दर्शाती है जो कि *** येन कि०ग्रा० (सीआईएफ/सूचीबद्ध कीमत, *** अमरीकी डालर) है । परिशिष्ट 3क2 जून में 16 मी० टन के निर्यात के आधार पर कारखाना स्तर पर कीमत की गणना दर्शाती है जो कि *** येन कि०ग्रा० (सीआईएफ, सूचीबद्ध कीमत, *** अमरीकी डालर) है । परिशिष्ट 3क-3 इन दोनों कीमतों की भारत औसत कारखानागत कीमत, जो कि *** येन/कि०ग्रा० तथा *** येन/कि०ग्रा० की भारत औसत सूची कीमत दर्शाती है।

भारत को हुए निर्यातों के लिए बिक्री कीमत ढांचे में सूचीबद्ध कीमत जो कि दोनों पोतलदानों की भारत औसत सूचीबद्ध कीमत है, *** येन/कि०ग्रा० है । छूट/कमीशन *** येन/कि०ग्रा० की दर से दिया जाता है । कारखाना द्वार के पश्चात् तथा एफ ओ बी से पूर्व प्रभारों में *** येन/कि०ग्रा० की दर से स्वदेशी भाड़ा शामिल है । *** येन/कि०ग्रा० की दर से बीमा प्रभार जोड़ा गया है । यह बताया गया है कि भण्डारण, हैंडलिंग, करों, पैकेजिंग इत्यादि के लिए कोई प्रभार नहीं है । एफ ओ बी के पश्चात् प्रभारों में *** येन/कि०ग्रा० की दर से विदेशी भाड़ा, *** येन/कि०ग्रा० की दर से विदेशी बीमा, *** येन/कि०ग्रा० की दर से नौवहन प्रभार तथा *** येन/कि०ग्रा० की दर से निकासी एवं हैंडलिंग प्रभार शामिल हैं । यह बताया गया है कि शुल्क, बिक्री कर इत्यादि के कारण कोई प्रभार नहीं जोड़ा गया है ।

यह पाया गया है 251.86 मी० टन की मात्रा का पोतलदान खुले रूप में किया गया था तथा 16 मी० टन की मात्रा का पोतलदान ड्रमों में किया गया था । निर्यातक ने प्राधिकारी को लिखे दिनांक 1/8/2000 के अपने पत्र में यह उल्लेख किया है कि ड्रम पैकिंग का इस्तेमाल केवल एक बार जून, 1998 में भारत में 16 मी० टन एनीलीन का निर्यात करने के लिए किया गया था । ड्रमों की क्षमता *** कि०ग्रा० प्रति ड्रम है । उन्होंने यह उल्लेख किया है कि पैकिंग सामग्री (ड्रम) की कीमत *** येन/प्रति ड्रम है, तीसरे पक्ष को परेषण हेतु पैकिंग प्रभार *** येन/ड्रम है । जून, 98 में 16 मी० टन के निर्यात हेतु इस्तेमाल की गई पैकिंग की लागत *** येन है । उपरोक्त लागतों को घटाने के पश्चात्, 1 अमरीकी डालर = 128.01 येन की औसत विनिमय दर पर कारखानाद्वार स्तर पर निर्यात कीमत *** येन अथवा *** अमरीकी डालर/कि०ग्रा० बैठती है ।

प्राधिकारी का विचार

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै. सुमोसोमो को एक पृथक गोपनीय प्रकटन में प्रकटित कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत की गणना करने में निर्यातक द्वारा कोई आपत्ति नहीं की गयी थी। अतः प्राधिकारी निर्यात कीमत का निर्धारण कारखानागत स्तर पर—अमरीकी डालर/किग्रा. —की दर पर करते हैं।

6. यूएसए

(क) सामान्य मूल्य

जैसा कि प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा ज (ii) में दिया गया है, बीए एस एफ कोरपोरेशन ने यह उल्लेख किया है कि जांच अवधि के दौरान बीएएसएफ कोरपोरेशन अथवा बीएएसएफ के किसी वितरक ने कभी भी भारत को एनीलीन का निर्यात नहीं किया है। जांच अवधि के दौरान बेयर कारपोरेशन ने एनीलीन का उत्पादन, विनिर्माण, बिक्री अथवा निर्यात नहीं किया है। हालांकि मै0 ई आई. ड्यू पोंट डी नीमोरस एंड कम्पनी ने प्राधिकारी का अपने विचार एक पत्र में लिखकर भेजे हैं किन्तु उन्होंने प्रश्नावली का कोई औपचारिक उत्तर नहीं दिया है। निर्यात कीमत के संबंध में दिए गए उनके विवरण के साथ कोई दस्तावेजी साक्ष्य नहीं लगाया गया है। अतः सामान्य मूल्य अथवा निर्यात कीमत के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं है।

याचिकाकर्ताओं ने सेनेल पब्लिशिंग कम्पनी द्वारा 1871 से प्रकाशित 'द कैमिकल मार्केट रिपोर्टर' से साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं जिसे यूएसए के रसायन उद्योग में एक प्रतिष्ठित पत्रिका माना जाता है। प्राधिकारी को यूएसए के निर्यातकों से सूचना के अभाव में उक्त पत्रिका में उल्लिखित कीमतों द्वारा यथाप्रमाणित यूएसए के घरेलू बाजार में एनीलीन के सामान्य मूल्य को स्वीकार करना पड़ा है।

कैमिकल मार्केट रिपोर्टर के अनुसार, यू एस ए में एनीलीन की कीमत 0.49 से 0.50 अमरीकी डालर प्रति 1 बी(पौंड) है जो कि 1080 अमरीकी डालर प्रति मी0 टन अथवा 1102 रु0 प्रति मी0 टन (1 मी0 टन = 2204.62 पौंड) के बराबर है। अतः यू एस ए में एनीलीन का सामान्य मूल्य 1091 अमरीकी डालर प्रति मी0 टन (पत्रिका द्वारा प्रमाणित दोनों कीमतों का औसत) माना जा सकता है। यह भी उल्लेख किया गया है कि कैमिकल मार्केट रिपोर्टर द्वारा दर्शायी गयी एनीलीन की कीमत एफ ओ बी कीमत है और इसलिए इसमें भाड़ा तथा परिवहन शामिल नहीं है।

(ख) निर्यात कीमत

याचिकाकर्ता ने कांडला पत्तन द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर, अमरीका में निर्यात कीमत का दावा किया है। वर्ष 1998-99 (अप्रैल-मार्च, 99) में निर्यात कीमत मात्रा

तथा मूल्य (लाख में) पर आधारित है जो कि पूर्वोक्त अवधि के लिए केवल क्रमशः 5623.595 मी० टन तथा *** रूपए थी । 1 अमरीकी डालर=42.3 रूपए की विनिमय दर पर सी आई एफ निर्यात कीमत ***/मी० टन है ।

उपरोक्त निर्यात कीमत सी आई एफ कीमत होने के कारण समुद्री भाड़े -1% ; समुद्री बीमा निर्यात कीमत का .5% ; कमीशन-निर्यात कीमत का-3% ; स्वदेशी परिवहन -2% ; पैकेजिंग तथा-3 % पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभार - 2 % के कारण समायोजनों (याचिकाकर्ताओं के अपने निर्यातों के आधार पर) का दावा किया गया है ।

इन प्रभारों को घटाने के पश्चात् अमरीका से हुए निर्यात की निवल कीमत ***रु०/मी०टन अथवा ***अमरीकी डालर/कि०ग्रा० है ।

(ग) घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त किए गए विचार:

यूएसए के किसी भी निर्यातक ने निर्धारित प्रपत्र में और तरीके से सूचना उपलब्ध नहीं की है । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा याचिका में निहित साक्ष्य के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु कार्रवाई करना पूर्णतया न्यायोचित है ।

7. असहयोगी निर्यातकों का निर्धारण

(क) जापान

असहयोगी निर्यातकों के लिए, डीजीसीआईएंड एस के आंकड़ों द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर निर्यात कीमतों का संदर्भ लिया गया है । प्राधिकारी द्वारा निकाली गई परिकलित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है । प्राधिकारी ऐसे असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर परिकलित लागत को स्वीकार करना उचित समझते हैं ।

(ख) यूएसए

सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के संबंध में यूएसए के निर्यातकों द्वारा कोई दावा नहीं किया गया है । यूएसए के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रश्नावली में सूचना उपलब्ध न करवाए जाने की स्थिति को देखते हुए, प्राधिकारी को याचिकाकर्ता द्वारा सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के संबंध में उपलब्ध की गई सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर भरोसा करने तथा यूएसए के उत्पादकों/निर्यातकों को असहयोगी के रूप में मानने के लिए मजबूर होना पड़ा है ।

ऐसे असहयोगी निर्यातकों के लिए, निर्यात कीमत पर प्राप्त आंकड़ों के आधार पर विचार किया गया है। सामान्य मूल्य पर कैमिकल मार्केट रिपोर्टर में दिए अनुसार एनीलीन की घरेलू कीमतों के आधार पर विचार किया गया है। उल्लेखनीय है कि कैमिकल मार्केट रिपोर्टर द्वारा दिखाई गई एनीलीन की कीमतें एफ ओ बी कीमतें हैं। अतः इसमें भाड़ा तथा परिवहन शामिल नहीं है। प्राधिकारी ने ऐसे अ-सहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए ऊपर दर्शायी गई पद्धति तथा सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना का संदर्भ लेना उचित समझा है।

४. पाटन मार्जिन

संबद्ध देशों के निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार हैं :—

उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन(%)
जापान			
(1) मैसर्स सुमिटोमो कैमिकल कं० लि०	***	***	134.21
(2)	***	***	27.5
सभी अन्य			
यूएसए			
(1) मै० ईआई डूपोंट डे नोमोर्स एंड कं०	***	***	131.9
(2) सभी अन्य	***	***	131.9

च. क्षति

५. घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्क

जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा ख. 2 में दिया गया है, तथा मौखिक सुनवाई के बाद घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ यह कहा है कि -

(i) भारत में एनीलीन की मांग में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः मांग में परिवर्तन से घरेलू उद्योग को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं हुई है। एनीलीन की कीमत में अन्तर का संबंध प्रत्यक्ष रूप से अंतर्राष्ट्रीय कीमत से है और कीमत का निर्धारण सामान्यतया

रस्ते आयात के कारण बाजार-प्रवृत्तियों द्वारा प्रभावित होता है और इसलिए मांग तथा आपूर्ति में कोई अंतर नहीं है।

(ii) भारत में एनीलीन की खपत का स्वरूप विश्व बाजार से भिन्न है जहां इस उत्पाद का 80 % का उपयोग एमडीआई के विनिर्माण में होता है। भारत में एनीलीन का प्रयोग रबड़, रसायन, भेषज, रंजक मध्यवर्ती तथा फोटोग्राफिक रसायनों के लिए किया जाता है।

(iii) सम्बद्ध देशों से आयातों में समग्र रूप में काफी वृद्धि हुई है। वर्ष 1998-99 के संबंध में आयात सूचना कांडला पत्तन से संकलित सूचना के अनुसार है। यद्यपि एनीलीन का अधिकतर आयात कांडला से होता है, लेकिन आयात की वास्तविक मात्रा कांडला की मात्रा से अधिक ही होगी। एनीलीन के कुल आयातों में जापान का बाजार शेयर 1996-97 में 74.79 % था जो 1997-98 में बढ़कर 89.80 % हो गया। यू0एस0ए0 से भी एनीलीन के आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है जो 1997-98 के 47 मी0 टन से बढ़कर 1998-99 में 5623.595 मी0 टन हो गए। सम्बद्ध देशों से संचयी आयात भारत में एनीलीन के कुल आयातों का 81.16 % से भी अधिक बनता है जैसा कि उपलब्ध आंकड़ों से स्पष्ट है।

(iv) वर्ष 1998-99 में घरेलू उद्योग की बिक्रियों में बहुत अधिक कमी आई है। घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में 2551 मी0 टन की कमी आई जबकि आयातों में लगभग 2192 मी0 टन की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग की बिक्री जितनी कम हुई, उतनी जापान तथा यू0एस0ए0 से निर्यातकों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई।

(v) एचओसी ने सल्फ्रेनिक एसिड का निर्यात किया और डीजीएफटी से अग्रिम लाइसेंस प्राप्त किया जिसका प्रयोग 167.07 मी0 टन एनीलीन का आयात करने में किया गया।

(vi) एचओसी ने एमडीआई परियोजना स्थापित करने के प्रयांस किए थे। उसे स्थगित कर दिया गया है। यदि परियोजना स्थापित हो जाती है तो एचओसी कैपटिव खपत के लिए अतिरिक्त एनीलीन क्षमता की स्थापना भी करेगा तथा घरेलू उद्योग को आपूर्ति बाधित नहीं होगी।

(vii) एनीलीन संयंत्र की क्षमता का उपयोग विगत में काफी अधिक हुआ और सम्पूर्ण मात्रा उपलब्ध थी। क्षमता उपयोग में जांच की अवधि के दौरान अधिक आयातों के कारण कमी आई तथा एनीलीन की पंहुच लागत परिवर्तनीय विनिर्माण लागत से कम थी जिसके फलस्वरूप हानियां हुईं। एनीलीन संयंत्र कैटेलिस्ट परिवर्तन के लिए प्रति वर्ष 15 दिनों के लिए बंद कर दिया जाता है और कुछेक अवसरों पर थोड़े समय के लिए कच्ची सामग्री

अर्थात् बैनजीन की सप्लाई में समस्याएं आती हैं जिनके कारण उत्पादन में बाधा आती है । इसके अतिरिक्त एच ओ सी से एनीलीन की सप्लाई संबंधी कोई समस्याएं नहीं हैं ।

(viii) पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का दावा निम्नलिखित कारकों पर आधारित है:

- क) सम्बद्ध देशों से समग्र रूप में आयातों में वृद्धि ;
- ख) आयातों के बाजार शेयर में वृद्धि तथा घरेलू उद्योग के बाजार शेयर में कमी ;
- ग) घरेलू उद्योग के उत्पादन में कमी ;
- घ) घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में कमी ;
- ड.) बिक्री कीमतों में कमी ;
- च) लाभप्रदता में कमी ।

10.

मैसर्स सुमितोमु कैमिकल कंपनी लि० (एस सी सी) जापान द्वारा दिए**गए तक:-**

जैसाकि प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा II .4 में उल्लेख किया गया है:-

- 1) एस सी सी ने अप्रैल, 1998 से मार्च, 1999 की अवधि के दौरान जापान की व्यापारिक कंपनियों के जरिए भारत को लगभग 268 मीट्रिक टन एनिलिन का निर्यात किया जोकि उपरोक्त अवधि के लिए भारत में हुए कुल आयातों का मात्र 2.9% बनता है ।
- 2) उक्त 268 मीट्रिक टन में से 251.86 मीट्रिक टन का निर्यात मई, 1998 में किया गया था और 16 मी. टन का निर्यात जून, 1998 में किया गया था । उसके बाद, एस सीसी ने कभी भी भारत को एनिलिन का निर्यात नहीं किया है और उसके पास भारत को उक्त उत्पाद का निर्यात करने की तत्काल कोई योजना नहीं है ।
- 3) मात्रा के रूप में भारत को हुए उनके निर्यात की मात्रा के आकलन से एस सीसी के निर्यात और भारत के घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निर्धारित सीमा से कम होना चाहिए ।
- 4) एस सी सी की कीमत का अन्य जापनी कंपनियों के मूल के एनिलिन की आयात कीमत से अपेक्षाकृत अधिक होना एस सी सी के निर्यात और घरेलू उद्योग के एनिलिन के निर्यातकों को हुई कथित क्षति के बीच कारणात्मक संबंध को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं । यह कीमत यू एस ए मूल के उत्पाद से भी काफी अधिक है ।
- 5) जापान कैमिकल वीक में उल्लिखित कीमत काइस्तेमाल 'भाग III पाटन का साक्ष्य' में किया गया है । तथापि, इस समाचार पत्र में सूचीबद्ध आंकड़ों को जापान के सामान्य व्यापार में एनिलिन की वास्तविक कीमत से हटकर दर्शाया गया है । इस निर्यातक ने जापान कैमिकल वीक में सूचीबद्ध एनिलिन की कीमत जनवरी 1996 से पहले की अवधि में प्रचलित कीमत इंगित की है और यह पाया गया कि सूचीबद्ध कीमत कम से कम तीन वर्षों के लिए संशोधित नहीं की जा सकती और न ही उसमें कभी संशोधन किया गया था । इससे सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु उक्त कीमत संबंधी साक्ष्य का पता चलता है ।
- 6) एस सी सी जापान में 60,000 मी.टन से अधिक एनिलिन की बिक्री करती है । इस मामले में सामान्य मूल्य के लिए इसे आधार के रूप में लिया जाना चाहिए ।

11.

प्राधिकारी का विचार:

प्राधिकारी ने अंतिम निर्धारण करते समय क्षति से संबंधित सभी संकेतकों को ध्यान में रखा है । इसमें पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यथा निर्दिष्ट क्षति के निर्धारण से संबंधित सभी संगत सिद्धांत शामिल होते हैं अर्थात् पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में कीमत पर उसका प्रभाव और घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, लाभ, बाजार हिस्से इत्यादि पर उसका

प्रभाव । घरेलू उद्योग के लिए समान वस्तु की क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन की अधिकतम लागत का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की वास्तविक उत्पादन लागत को लिया है । जिसमें नियामक सर्वोत्तम खपत संबंधी मापदंडों और ऐसी कच्ची सामग्री की वास्तविक कीमत को ध्यान में रखा गया है जिसकी खपत जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के उत्पादन हेतु की गई है । क्षति मार्जिन का आकलन करने के लिए घरेलू उद्योग की कारखानागत क्षतिरहित कीमत की तुलना आयातित वस्तु के पहुँच मूल्य के साथ की गई है । आयातों की मात्रा, बिक्री तथा बाजार हिस्सा, अंतिम स्टॉक और कीमतें निम्नानुसार थीं -

आयातों की मात्रा:

एनिलिन का आयात (मी.टन) निम्नानुसार रहा था :

	1996-97	1997-98	1998-99
कुल आयात	1277	5847	8038.804
जापान	983	5251	901.209
यू एस ए		47	5623.595
अन्य देश	57	297	1514

उत्पादन और क्षमता उपयोग

	1996-97	1997-98	1998-99 (जांच अवधि)
क्षमता (मी.टन)	48100	48500	54100
उत्पादन(मी.टन)	39165	47254	41780
क्षमता उपयोग %	81.42	97.43	77.23

बिक्री और बाजार हिस्सा

	1996-97	1997-98	1998-99 (जांच अवधि)
मांग (मी.टन)	37,196	44,220	43,860.804
आयातों का हिस्सा	3.4	13.22	18.33
याचिकाकर्ताओं का हिस्सा	96.56	86.77	81.67
घरेलू उद्योग की स्थानीय बिक्री(मी.टन)	35,919	38373	35822
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	***	***	***

अंतिम स्टॉक (मी.टन)

	1996-97	1997-98	1998-99 (जांच अवधि)
सभी याचिकाकर्ता	446.419	2226.814	225.454
एच ओ सी एल	194	1478	1548
एन सी पी एल	34.419	710.314	654.094
एनीराक्स	218	38.5	50.36

(ख) क्षति के संबंध में निष्कर्ष

जैसाकि प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा-17 में उल्लेख किया गया है, यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु का प्रयोग करके विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर उच्च प्रभाव पड़ सकता है। कुछ हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क दिया है कि एनिलिन पर आयात शुल्क में वृद्धि किए जाने से औषधियों, भेषज, रंजक और रंजक मध्यवर्ती उत्पादों, रबड़ रसायनों इत्यादि की कीमतों में बढ़ोतरी शुरू हो जाएगी जिससे निर्यातों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस संबंध में प्राधिकारी ने गुजरात डाईस्टफ मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और संबद्ध उत्पादों के अन्य विनिर्माताओं द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की थी। एनिलिन नाइट्रोबेनजीन, हाइड्रोजन और कंसंट्रेटेड नाइट्रिक एसिड से उत्पादित एक मूलभूत कच्ची सामग्री है। एनिलिन का उत्पादन हाइड्रोजन रूट के जरिए नाइट्रोबेनजीन के न्यूनिकरण द्वारा किया जाता है। नाइट्रोबेनजीन के लिए कच्ची सामग्री बेनजीन है तथा हाइड्रोजन के लिए नैफ्था है। गुजरात डाईस्टफ और अन्य की दलील यह है कि बेनजीन पर केवल 16.5% आयात शुल्क लगाया जाता है और इससे एनिलिन के विनिर्माताओं को अपनी लागत कम करने में मदद मिलती है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि 1995-96 से 1999-2000 तक एनिलिन के लिए सीमा शुल्क में संगत वृद्धि/कमी तथा इसका फीडस्टॉक निम्नानुसार रहा है:-

उत्पाद	वृद्धि/गिरावट (%)
एनिलिन	(-)10 %
फीडस्टॉक	
बेंजीन	(+)119%
टोल्यून	(+) 9.5%
नैफ्था	99-2000 में पहली बार 5.5% सीमा शुल्क लगाया गया।
सल्फर	99-2000 में पहली बार 5.5% सीमा शुल्क लगाया गया।

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एनिलिन के विनिर्माण हेतु अपेक्षित निविष्टियों/फीडस्टॉक की कीमतों में वृद्धि होने के कारण आयातित उत्पाद के पहुंच मूल्य की बराबरी करने में विफल रहा है। पेट्रोलियम, ईंधन तेल और बेनजीन की कीमते 1996 से आगे मजबूत हुई हैं। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि एनिलिन की बिक्री कीमतों में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण हुई थी। जांचोत्तर अवधि में मूलभूत निविष्टि बेनजीन की लागत में तेजी से वृद्धि हुई और उत्पादन लागत में हुई यह वृद्धि बिक्री कीमतों में हुई वृद्धि से अधिक थी।

हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क दिया है कि याचिकाकर्ताओं का क्षमता उपयोग का बहुत ही अच्छा स्तर रहा है और²⁴ भी तब जब अन्य विश्व उत्पादकों को अपना उत्पादन कम करने के लिए बाध्य किया गया था। जैसाकि पहले नोट किया जा चुका है, कि ऐसा एम डी आई की कम विश्व व्यापी मांग के कारण हुआ था जबकि भारत में एनिलिन की जरूरत केवल रबड़ रसायनों, रंजक तथा औषधियों तथा औषधि मध्यवर्ती उत्पादों के विनिर्माण तक ही सीमित होता है। यह भी तर्क दिया गया है कि यदि, पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो उपयोक्ता उद्योग के निर्यात बाजार का हिस्सा प्रभावित होगा।

तथापि, आयात निर्यात नीति के अंतर्गत छूट शुल्क योजना के तहत जारी किए गए किसी अंतरिम लाइसेंस के अधीन वास्तविक उपयोक्ता की शर्त के अधीन निर्यात उत्पादन हेतु अपेक्षित शुल्क मुक्त निविष्टियों का आयात किया जाता है। ऐसे लाइसेंसों को मूल सीमा शुल्क अधिभार, अतिरिक्त सीमा शुल्क पाटनरोधी शुल्क और रक्षोपाय शुल्क, यदि कोई हो, से मुक्त रखा जाता है। ऐसे लाइसेंस निर्धारित क्रियाविधियों के अनुसार विनिर्माता और व्यापारी निर्यातक दोनों को जारी किए जाते हैं।

तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा खासकर उस स्थिति में भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी, यदि पाटनरोधी शुल्क की लेवी को घरेलू उद्योग को हुई क्षति दूर करने के लिए आवश्यक धनराशि तक सीमित रखा जाता है। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों के इस्तेमाल से पाटन की प्रक्रिया द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग के ह्रास को रोका जा सकेगा और एनिलिन के उपभोक्ता के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों के इस्तेमाल से संबद्ध देशों से होने वाले आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 14 में यथा निर्दिष्ट क्षति के बारे में निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और यह दोहराते हैं कि:-

- (क) संबद्ध देशों से हुए आयातों की मात्रा में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है;
- (ख) याचिकाकर्ता कंपनियों के बाजार हिस्से में कमी आई है;
- (ग) आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी हो रही है;
- (घ) घरेलू उद्योग को ऐसी कीमतों पर बिक्री करने के लिए बाध्य किया गया है जिसके परिणामस्वरूप घाटा हुआ है;
- (ङ.) घरेलू उद्योग के अंतिम स्टॉक में वृद्धि हुई है।

अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है

(ज) कारणात्मक संबंध

इस बात की पुष्टि करने में कि संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि जापान और यू एस ए से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि होने के कारण याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में कमी आई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कुल आयातों में जापान का हिस्सा वर्ष 1996-97, 97-98 और 98-99 में क्रमशः 76.97%, 89.80% और 11.21% रहा था। कुल आयातों में यू एस ए का हिस्सा वर्ष 1997-98 में 0.80% और 1998-99 में 69.96% रहा था। जांच अवधि के दौरान जापान और यू एस ए का संयुक्त हिस्सा एनिलिन के कुल आयातों का 21.86% रहा इस प्रकार जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई।

कुछ हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क दिया है कि जांच अवधि में विद्यमान असामान्य रूप से कम कीमतों का रहना कच्चे तेल की कम कीमतों के कारण मात्र अल्पकालिक परिदृश्य था। तथा यह नोट किया जाता है कि जापान से अन्य देशों से हुए एनिलिन के निर्यात की कीमतें भारत को हुए निर्यातों की कीमतों से काफी अधिक थी। भारत से भिन्न देशों को निर्यात हेतु सहयोगी निर्यातक के बिक्री कीमत ढांचे में सूचीबद्ध कीमत XXX येन/किग्रा. की है। कारखाना द्वारा स्तर पर निर्यात कीमत XXX येन/किग्रा. अथवा XXX अमरीकी डालर/किग्रा. की है। भारत को होने वाले निर्यातों के लिए बिक्री कीमत ढांचे में सूचीबद्ध कीमत, जो कि दो पोत लदानों की भारित औसत सूचीबद्ध कीमत है, XXX येन/किग्रा. की है जबकि 1 अमरीकी डालर = 128.01 येन की औसत विनिमय दर पर कारखाना कीमत XXX येन अथवा XXX अमरीकी डालर/किग्रा. की है।

भारत में एनिलिन के कारखानों को अधिकांशतः रबड़ रसायन, रंग और औषध तथा औषध मध्यवर्ती उत्पादों तक ही सीमित रखा जाता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विश्व के प्रमुख विनिर्माताओं द्वारा पाटित कीमतों पर किए जाने वाले निर्यातों की सन्तुलित मात्रा से भी सीमित मांग ढांचे और पाटित कीमतों की बराबरी करने में घरेलू उद्योग की असमर्थता के कारण भारतीय उद्योग प्रभावित हो सकता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि भारत में एनिलिन की मांग में कोई भारी घट-बढ़ नहीं रही है। घरेलू उद्योग विश्व में एनिलिन के सबसे छोटे उत्पादकों में से एक उत्पादक है और भारतीय उद्योग की क्षमता एनिलिन की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। 1998-99 में एनिलिन की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में भारी गिरावट आई और इससे कीमतों पर प्रभाव पड़ा था जिन पर इसका आयात भारत को किया गया था। इससे घरेलू उत्पादकों के प्रचालन और लाभ प्रदत्ता प्रभावित हुई क्योंकि जांच अवधि के दौरान प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय विनिर्माताओं द्वारा एनिलिन का पाटन किया गया था।

संबद्ध देशों से हुए आयातों से घरेलू उत्पाद की कीमतों में कमी की गई और घरेलू उद्योग को अलाभकारी कीमतों पर बिक्री करने के लिए बाध्य किया गया। इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को घाटा हुआ। अतः उक्त देशों से हुए आयातों के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई थी।

12. लगाया गया पाटनरोधी शुल्क

प्राधिकारी ने जापान और यूएसए से एनिलिन के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का सावधानी पूर्वक मूल्यांकन किया है और पाटन मार्जिन के बराबर अथवा इससे कम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की है, जिसका यदि उदग्रहण किया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी संबद्ध देशों से हुए आयातों की तुलना घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ की है। जहां कहीं यह मार्जिन पाटन मार्जिन से कम पाया गया है, वहां प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन से कम शुल्क की सिफारिश की है।

13. अंतिम निष्कर्ष

पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

(क) जापान और यू एस ए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एनिलिन का सामान्य मूल्य से कम कीमत पर भारत को निर्यात किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है;

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

(ग) यह क्षति संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण पहुंची है ।

14. प्राधिकारी, सीमाशुल्क अधिनियम के सीमाशुल्क शीर्ष संख्या 2921.41 के अंतर्गत आने वाले जापान व यू एस ए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एनिलिन के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं जैसाकि विचाराधीन उत्पाद से संबंधित पैरा में उल्लेख किया गया है । पाटनरोधी शुल्क कॉलम 3 में उल्लिखित धनराशि होगी ।

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	धनराशि
1	2	3 अमरीकी डालर/किग्रा०
जापान	(क) सुमितोमो कैमिकल कंपनी लि० (ख) सभी अन्य	०.०६४ ०.१४
यू एस ए	(क) मै. ई आइ ड्यूपोंट डि न्यूमर्स एंड कंपनी (ख) सभी अन्य	०.२० ०.२०

15. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा आकलित निर्धारण मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

16. उपरोक्त के अधीन रहते हुए प्राधिकारी ^{5th मार्च, 2000} के प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

17. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पादशुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी ।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 31st August, 2000

FINAL FINDINGS

Sub. : Anti Dumping investigations concerning import of Aniline from Japan and USA.

33/1/99-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed subsequent to the preliminary findings:
 - (a) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified Preliminary Findings vide notification dated with regard to anti-dumping investigations concerning imports of Aniline from Japan and USA and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
 - (b) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the said findings within forty days from the date of the letter;
 - (c) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 16/5/2000. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rejoinders, if any. The petitioners and members of the user industry were present at the oral hearing. The exporter from Japan did not attend the oral hearing;
 - (d) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted and arguments made by various interested parties;

- (e) The arguments raised by the petitioners and other interested parties have been appropriately dealt with in the preliminary findings and/or these findings;
- (f) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same, have been duly considered in these findings;
- (g) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

2. The product under consideration in the present investigation is Aniline also known as Aniline oil. Aniline is a transparent, oily, colourless to pale yellow liquid when freshly distilled. It darkens on exposure to light or air. Aniline is a primary amine compound and a basic organic chemical essential for vital industries such as drugs, pharmaceuticals, dyes and dye intermediates. Aniline is also used in some other industries such as rubber chemicals, explosives, resins etc.

Aniline is an intermediate for Rubber Chemicals (vulcanization, accelerators, antioxidants), Dyes, Drugs such as analgin, sulpha drugs, Photographic chemicals (hydroquinone), Isocyanates (MDI or Methylene Diphenylene Di-Isocyanate). In India, 70% of the production of Aniline is used in rubber chemicals, drugs and drug intermediates and dye industries, whereas 80% of production of Aniline world-over is used in MDI.

Aniline is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975, under custom sub-heading no. 2921.41. The classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

The Authority confirms the preliminary findings on product under consideration.

C. LIKE ARTICLES

3. Aniline is produced and sold in specifications as per ISI standards which depict the properties of the chemical. The quality of Aniline is described in terms of its purity. The standard quality of Aniline normally contains 99.8% purity by weight. There is however no significant difference in terms of process, equipment or technology for the production of aniline.

In order to establish that Aniline produced by the domestic industry is a Like Article to Aniline exported from the subject countries, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, plant and equipment, technology, functions and uses, marketing and customer perception and tariff classification have been considered.

There is no argument disputing that Aniline produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported product and is substitutable by the aniline imported from the subject countries both commercially and technically. Aniline produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from Japan and the USA, within the meaning of Rule 2(d).

The Authority confirms the preliminary findings on Like Article.

D. DOMESTIC INDUSTRY:-

4. M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd. (HOCL), M/s Narmada Chematur Petro Chemicals Ltd. (NCPL), and M/s Anirox Pigments Ltd., have jointly filed the petition. These three units are the only producers of Aniline in India. The petitioner companies therefore account for 100% of domestic production and have the required standing to file the petition under the Rules.

The Authority confirms the stated position on domestic industry as given at para G 7 of the preliminary findings.

E. DUMPING:-

5. Japan

Arguments raised by M/s Sumitomo Chemical Company Ltd., :-

M/s Sumitomo Chemical Co., Ltd. co-operated and responded to the questionnaire sent by the Authority.

As stated at Para I.9, of the preliminary findings, the exporter has stated that they have exported about 268 MT of Aniline during the period of investigation. Out of the said 268 MT, 251.86 MT was exported in May 1998 and 16 MT was exported in June 1998. They have submitted copies of the relevant invoices and bills of lading for the said exports made by them to buyers in India during the period investigated. The cif prices indicated therein is *** (cif) USD for 251.86MT of Aniline and *** USD for 16MT of Aniline. The price difference between the two, was stated to be attributable to the quantity of the product sold.

The examination of normal value and export price by the Authority based on Sumitomo Chemical Company's response and available information as given at Para J. (I) of the preliminary findings shows that information against Appendices 3A, B and C, which concerns price structures and sales arrangements for both domestic sales and for exports has been filed. Details on unit prices charged for like goods sold on domestic and export markets indicating the details of the nature and amount of charges beyond ex-factory level are available. While information on licensed/installed capacity, production and sales as per Appendix 4A has been provided, the information on cost of production/unit cost to make and sell and profit in domestic and export markets as per Appendices 4 B,C and D has not been furnished. Copies of price lists showing domestic sales prices have been submitted. It is stated by the exporter that they would like to refrain from submitting the data on manufacturing cost since it is a highly sensitive trade secret.

The exporter is a multi-product manufacturing company. The net sales and cost of sales which was submitted to the Authority is that of the total sales of their products. Regarding the detailed statement of the profit and loss account, the exporter has disclosed only the figures which could be collected from their financial statements which are open to the public. Information regarding the profit and loss accounts of the company in respect of Aniline has been withheld as information to be kept confidential to their company.

(A) Normal Value

From the response filed by the exporter (Appendix 2B), it is seen that domestic sales of the product under investigation in terms of KG and value thereof in terms of USD were as follows:-

<u>Product</u>	<u>Sales in domestic market</u>		Y
	<u>Unit(kg)</u>	<u>Value(\$)</u>	
Aniline	***	***	***

The average price per kg works out to Y*** or USD ***/kg (at an average exchange rate of 1USD=Y128.01 as during the period of investigation).

The price at list price level and the weighted average domestic selling price worked out from the data given at Appendix 2B of the questionnaire response, is Y***/kg. In the sales price structure for domestic sales (Appendix 3B), adjustments claimed on account of charges after ex-factory include inland freight (Y***/kg), storage (Y***/kg), handling (Y***/kg). The total cost on account of the aforementioned charges after ex-factory comes to Y***/kg. The Authority had at the time of Preliminary Findings, disallowed the charge on storage costs as the same were not incurred on the sales price structure for exports. However, vide their letter dated 28/4/2000 to the Authority, the exporter has clarified the charges on (i) the storage cost to domestic sales and (ii) adjustment taking into account the difference of the payment term. SSC has stated that Aniline is delivered to their domestic customers through domestic stock points, while Aniline is exported from the port of their factory without any storage cost. A copy of a storage bill from a domestic stock point of Aniline has been submitted as documentary evidence that proves their actual payment of *** million yen as monthly tank rental for storage of Aniline destined for Japanese domestic customers. Storage cost is estimated as *** Rs/kg (=*** Yen/kg) which is reduced in calculating ex-factory domestic price. The total cost on charges on account of inland freight, storage and handling is Y*** which is reduced to arrive at the ex-factory price.

A copy of a bill to a domestic customer has been provided as documentary evidence of standard payment term of domestic sale (***days). This interest rate adjustment is stated to be of the order of *** Rs/kg (=*** Yen/kg) which shall be reduced in calculating ex-factory domestic price too. The calculation worked out by the exporter in their questionnaire response is adopted by the Authority.

The ex-factory normal value after taking into account all the above mentioned adjustments

is Y*** or USD ***/kg at an average exchange rate of 1USD=Y128.01.

Argument raised by Domestic Industry

It is submitted that the exporter has not fully cooperated with the Designated Authority. When such important information as cost of production has not been provided by the exporter, we fail to understand how the exporter has established that its sales in the home market were in the ordinary course of trade. It is submitted that the profit and loss account of the company for the subject goods is not sufficient. It is quite possible that even when the company has made profits in its operations relating to the subject goods, still its sales in the home market may not be in the ordinary course of trade. It is submitted that it is not open for a company to state that it would not provide information because it is a highly sensitive trade secret. When worldwide all interested parties have to provide information of this nature to the investigating authorities, Sumitomo cannot be an exception. It is also relevant to note that the action of the company in not giving the information to the Designated Authority is a deliberate and conscious decision of the company. Since the company has decided to withhold the information from the Designated Authority, we feel that the Designated Authority could proceed further considering the company as non-cooperative.

Authority's Position

As already noted in the Disclosure Statement, the exporter is a multi-product manufacturing company. The net sales and cost of sales which was submitted to the Authority is that of the total sales of their products which is irrelevant to these investigations. Regarding the detailed statement of the profit and loss account, the exporter has disclosed only the figures which could be collected from their financial statements which are open to the public. The Authority notes that vital information regarding the profit and loss accounts of the company in respect of Aniline, as called for, has been withheld by the exporter as information to be kept confidential to their company.

In this connection, the attention of the exporter was invited to provisions contained in Article 2.1 of the WTO Agreement on Anti-Dumping which states that "... a product is to be considered as being dumped...if the export price of the product exported from one country to another is less than the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like product when destined for consumption in the exporting country."

M/s Sumitomo Chemical Co. was informed that if, in response to the Disclosure Statement, the profit and loss accounts of Aniline were not submitted by them, the Authority would be constrained under the Rules, to disregard the ex-factory normal value of the like article based on the exporters response, as disclosed to them in a separate confidential disclosure, and adopt the constructed cost of the subject goods at Rs ***/-per Mt or USD ***/kg at an average exchange rate of 1USD= Rs 42.2.

The Authority notes that no objections were raised by the exporter in the calculation of ex-factory normal value. However, in the absence of the exporter's statement on Profit & Loss with regard to sales of Aniline in the domestic market in Japan, as called for in the disclosure, the Authority is constrained to adopt the constructed cost of the subject goods at

USD ***/Mt or USD ***/kg.

(B) Export Price

Arguments raised by M/s Sumitomo Chemical Company Ltd.,:-

SCC's cif price of export sales to India is ***USD for 251.86MT and ***USD for 16 MT. Based on these prices, the sales price structure for exports to India have been prepared in Appendix 3A-1, 3A-2 and 3A-3. Appendix 3A1 shows the calculation of price at ex-factory level based on SCC's export in May of 251.86 MT, which is Y***kg (cif/listed price, ***USD). Appendix 3A-2 shows the calculation of price at ex-factory level based on the export of 16 MT in June which is Y ***kg (cif/listed price, ***USD). Appendix 3A-3 shows the weighted average ex-factory price of these two prices, which is Y ***/kg and the weighted average list price of Y ***/kg.

In the sales price structure for exports to India, the listed price which is a weighted average listed price of the two shipments is Y ***/kg. Discounts/commissions are offered at Y***/kg. Charges after ex-factory and before fob include inland freight @Y***/kg. Insurance has been charged at Y***/kg. It is stated that there are no charges on account of storage, handling, taxes, packaging etc. Charges after fob include that of overseas freight @ Y***/kg, overseas insurance @ Y***/kg, shipping charge @ Y*** /kg and clearance & handling @Y***/kg. It is stated that there are no charges on account of duty, sales tax, etc

It is seen that the quantity of 251.86 MT was shipped in bulk and 16Mt was shipped in drums. The exporter in their letter dated 1/8/2000 to the Authority has stated that drum packing was used only at one time to export 16MT of Aniline to India in June 1998. The capacity of the drums is *** kg per drum. They have stated that the price of packing material (drum) is *** yen/per drum; the charge for consigning third party to packing is ***yen/drum; the transportation charge is *** yen/drum. The cost of packaging used for export of 16 MT in June'98 is Y***. After deducting the costs above, the export price at ex-factory level comes to Y*** or USD ***/kg at an average exchange rate of 1USD=Y128.01.

Authority's Position

The Authority notes that no objections were raised by the exporter in the calculation of ex-factory export price as disclosed to M/s Sumotomo in a separate confidential disclosure. Therefore, the Authority determines the export price at ex-factory level at USD***/kg.

6. USA

(A) Normal value

As given at Para J (ii) of the Preliminary Findings, BASF Corporation has stated that, at no time during the period of investigation has BASF Corporation or a BASF distributor exported any Aniline to India. Bayer Corporation has not produced, manufactured, sold or exported Aniline during the period of investigation. While M/s E.I. duPont de Nemours & Co. have addressed their views in a letter to the Authority, they have not given a formal response to the questionnaire. Their statement on export price is not substantiated by any documentary evidence. Hence there is no evidence of normal value or export price.

The petitioners have submitted evidence from 'The Chemical Market Reporter' published by

Schnell Publishing Company since 1871 that is stated to be a well recognized journal in the chemicals industry in the USA. The Authority in view of lack of information from the exporters in the USA has been constrained to adopt the normal value of aniline in the domestic market in the USA as evidenced by the prices stated in the said journal.

According to the Chemical Market Reporter, the price of Aniline in USA is USD 0.49 to 0.50 per lb.(Pound) which is equivalent to USD 1080 per MT of Rs.1102 per MT (1 MT=2204.62 Pounds). The normal value of Aniline in the USA can thus be considered as USD 1091 pmt (average of the two prices reported by the journal). It is also stated that the price of Aniline shown by the Chemical Market Reporter is FOB price and is therefore not inclusive of freight and transportation.

(B) Export Price

The petitioner has claimed export price in the USA based on the data published by Kandla Port. The export price in 1998-99 (April-March'99) is based on volume and value (in lacs) which were 5623.595MT and Rs *** respectively for the aforesaid period only. The cif export price is ***/MT at an exchange rate of 1USD=Rs.42.3.

The above export price being cif price, adjustments have been claimed (based on petitioners own exports) on account of ocean freight -1%; marine insurance - 0.5% of export price; commission - 3% of export price; inland transportation - 2%; packaging-3% and port handling and port charges - 2%.

The net export price from the USA after deducting these is Rs ***/MT or USD ***/kg.

(C) Views expressed by Domestic Industry:-

None of the exporters from the USA have provided information in the form and manner prescribed. The Designated Authority is fully justified in proceeding with the determination of normal value as per the evidence contained in the petition.

7. Assessment of Non-cooperating exporters:

(A) Japan

For the non-cooperating exporters, the export prices have been referenced on the basis of information furnished by DGCIS data. Normal value has been determined on the basis of the constructed cost as worked out by the Authority. The Authority considers it appropriate to adopt the constructed cost and the best available information for determining the normal value and export price for such non-cooperating exporters.

(B) USA

There are no claims by the exporters from the USA with regard to normal value and export price. In view of the non-submission of information to the questionnaire by producers/exporters from the USA, the Authority has been constrained to rely upon best available information with

regard to normal value and export price as provided by the petitioner and treat producers/exporters in the USA as non-cooperative. For such non-cooperating exporters, the export prices have been referenced on the basis of information furnished by available data. Normal value has been referenced on the basis of the domestic price of Aniline as given in the Chemical Market Reporter. It is stated that the price of Aniline shown by the Chemical Market Reporter is FOB price and is therefore not inclusive of freight and transportation. The Authority considers it appropriate to reference the best available information and methodology as illustrated above for determining the normal value and export price for such non-cooperating exporters.

8. Dumping Margins:-

The dumping margins for the exporters from the subject countries are as under:-

Producer	Normal Value	Export Price	Dumping Margin (%)
JAPAN			
(1) M/s Sumitomo Chemical Company Ltd.	***	***	134.37
(2) All other exporters	***	***	275
USA			
(1) M/s E.I. duPont de Nemours & Co.	***	***	131.9
(2) All other exporters	***	***	131.9

F. INJURY:-

9. Argument raised by domestic industry:-

As brought out in Para B. 2 of the Preliminary Findings, and after the oral hearing, the domestic industry has stated inter alia that:-

(i) There is no significant change in the demand for Aniline in India. The changes in demand have, therefore, not contributed to any injury to the domestic industry. The price variation of Aniline is directly related to the international price and the pricing is influenced generally by market forces because of cheaper import and as such there is no demand supply gap.

(ii) The consumption pattern of Aniline in India is different from that of the world market

where 80% of the product is used to manufacture MDI. In India Aniline is used for rubber chemicals, pharmaceuticals, dye intermediates and photographic chemicals.

(iii) The imports from the subject countries have increased significantly in absolute terms. The import information in respect of 1998-99 is as per information compiled from Kandla port. Though Aniline is largely imported at Kandla the actual volume of imports is bound to be higher than Kandla volumes. The market share of Japan in the total imports of Aniline increased to 89.80% in 1997-98 from 76.79% in 96-97. Imports of Aniline from the USA have also increased significantly from 47MT in 1997-98 to 5623.595MT in 1998-99. The cumulative imports from the subject countries have thus accounted for more than 81.16% of imports of Aniline into India as evident from the available data

iv) The domestic industry has lost substantial sales in 1998-99. The sales volume of the domestic industry declined by 2551MT whereas imports increased by 2192MT(approx.). The sales lost by the domestic industry are the sales gained by the exporters from Japan and the USA.

(v) HOC had exported Sulphonic Acid and received the Advance licence from DGFT which was used for importing 167.07 MT of Aniline.

(vi) HOC had made attempts to set up an MDI project. The same has been deferred. In case the project is set up, HOC will also set up additional Aniline capacity for captive consumption and supply to the domestic market will not be hampered.

(vii) The capacity utilisation of Aniline plant has been high in the past and the entire quantity was available to the domestic consumers. The capacity utilisation declined in the investigation period because of large imports and the landed cost of Aniline was below the variable cost of manufacture which resulted in losses. The Aniline plant takes annual shutdown every year for changing catalyst for 15 days and on certain occasions there are problems of supply of raw material viz , Benzene for a very short period which hampers production. Apart from this there are no supply problems of Aniline from HOC.

(viii) The claim of material injury to the domestic industry from the dumped imports is based on the following factors:

- a) Increase in imports from the subject countries in absolute terms;
- b) Increase in market share of imports and decline in market share of domestic industry;
- c) Decline in domestic industry production;
- d) Decline in sales volume of domestic industry,
- e) Decline in selling prices;
- f) Decline in profitability.

10. Arguments raised by co-operative exporter M/s Sumitomo Chemical Company Ltd., Japan:-

As brought out in Para II 4 of the Preliminary Findings -

1. SCC exported about 268MT of Aniline, through the trading companies in Japan, to India during the period April 1998 to March 1999 which accounts for only 2.9% of the total import to India for the above-mentioned period
2. Out of the said 268 MT, 251.86 MT was exported in May 1998 and 16 MT was exported in June 1998, respectively Since then, SCC has never exported Aniline to India and has no immediate plan to export the said product to India.
3. Judging from the magnitude of their export to India in terms of quantity, the causal relationship between SCC's export and the alleged injury to the domestic industry in India should be de minimis
4. SCC's price is far higher than the import price of Aniline originating from other Japanese sufficient evidence to prove the causal relationship between SCC's export and the alleged injury to the domestic Aniline industry exporters. It is also far higher than the USA origin product. In terms of price there is no in India
5. The Aniline price cited in the Japan Chemical Week is used in "Part III Evidence of Dumping". However, the data listed in this newspaper is divorced from the actual price of Aniline in the ordinary course of trade in Japan This exporter has traced the Aniline price listed in Japan Chemical Week back to January of 1996 and found that the price listed cannot be an had never been revised for at least more than three years. This shows that the said price evidence to determine the normal value.
6. SCC sells more than 60,000MT of Aniline in Japan This should be the basis for the Normal Value in this case.

11. Authority's Position:-

The Authority has taken into account all indices regarding injury while doing the final determination. This involves all relevant principles for determination of injury as specified under Annexure II of the anti-dumping rules viz., the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market and its effect on the production, capacity utilisation, sales, profits, market share etc. of domestic industry. While determining the non-injurious price for the like article for the domestic industry, the Authority has used the actual cost of production of the subject goods during the period of investigation to determine optimum cost of production for the domestic industry which has taken into account the normated best consumption norms and the actual price of the raw materials which are consumed for the production of the subject goods during the period of investigation. For calculation of injury margin, the ex-factory non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed value of the imported goods. The quantum of imports, sales and market share, closing stocks and prices were as given below.

Quantum of Imports:-

Imports of Aniline(MT)were as follows. -

	1996-97	1997-98	1998-99
Total imports	1277	5847	8038.804
Japan	983	5251	901.209
USA		47	5623.595
Other Countries	57	297	1514

Production and Capacity Utilisation:-

	1996-97	1997-98	1998-99 (POI)
Capacity (MT)	48100	48500	54100
Production (MT)	39165	47254	41780
Capacity Utilisation%	81.42	97.43	77.23

Sales and Market Share:-

	1996-97	1997-98	1998-99 (POI)
Demand (MT)	37,196	44,220	43,860.804
Share of Imports%	3.4	13.22	18.33
Share of Petitioners %	96.56	86.77	81.67
Local Sales of Domestic Industry MT	35,919	38373	35822
Selling prices of Domestic Industry	***	***	***

Closing Stocks (MT)

	1996-97	1997-98	1998-99(POI)
All Petitioners	446.419	2226.814	225.454
HOCL	194	1478	1548
NCPL	34.419	710.314	654.094
ANIROX	218	38.5	50.36

G. CONCLUSION ON INJURY

As brought out in para 17 of the preliminary findings, it is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. Some interested parties have argued that increase in import duty on Aniline will trigger off increase in prices of drugs, pharmaceuticals, dyes and dye intermediates, rubber chemicals, etc. which will have an adverse effect on exports. In this connection the submissions made by Gujarat Dyestuffs Manufacturers' Association and other manufacturers of downstream products were examined by the Authority. Aniline is a basic raw material produced from nitrobenzene, hydrogen and concentrated nitric acid. Aniline is produced by reduction of nitrobenzene through hydrogen route. The raw material for nitrobenzene is benzene and for

hydrogen is naphtha. The contention of Gujarat Dyestuffs and others is that Benzene attracts only 16.5% import duty and helps manufacturers of Aniline to bring down their cost. It is noted however that the corresponding increase/decrease in customs duties for Aniline and its feedstocks from 1995-96 till 99-2000 have been as follows:-

PRODUCT	Increase/Decrease(%)
Aniline	(-)10%
FEEDSTOCKS	
Benzene	(+) 119%
Toluene	(+) 9.5%
Naphtha	5.5% customs duty imposed for the first time in 99-2000
Sulphur	5.5% customs duty imposed for the first time in 99-2000

The Authority notes that the domestic industry failed to match the landed price of the imported product on account of the rise in prices of the inputs/feedstock required for the manufacture of aniline. Prices of petroleum, fuel oil and benzene stated firming up from 1996 onwards. The domestic industry has submitted that the increase in selling prices of Aniline was on account of the increase in the cost of production. The cost of the basic input Benzene increased quite steeply in the post investigation period and the increase in the cost of production was higher than the increase in the selling prices.

The interested parties have argued that the petitioners have had reasonably good levels of capacity utilisation and that too when other world producers were compelled to reduce their production. As already noted, that was due to low worldwide demand for MDI whereas in India, Aniline requirement is confined to manufacture of only rubber chemicals, dyes and drug and drug intermediates. It has also been argued that the user industry's share of the export market would be affected if anti-dumping duties are imposed. However, under the Export and Import Policy, an advance licence issued under the Duty Exemption Scheme enables import of duty free inputs required for export production subject to actual user condition. Such licences are exempted from payment of Basic Customs Duty, Surcharge, Additional Customs Duty, Anti-Dumping Duty and Safeguard Duty, if any. Such licences are issued to both manufacturer and merchant exporters subject to the prescribed procedures.

However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of aniline. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

The Authority confirms the conclusions on injury as indicated at para 14 of the preliminary findings and reiterates that:-

- a) the quantum of imports from the subject countries has increased in absolute terms.
- b) the market share of the petitioner companies has gone down,
- c) imports are undercutting the prices of the domestic industry,
- d) the domestic industry has been forced to sell at prices that have resulted in losses;
- e) closing stock of the domestic industry has gone up'

The Authority therefore concludes that the domestic industry has suffered material injury

H. CAUSAL LINK

In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject country, the Authority holds that the increase in market share of imports from Japan and USA resulted in decline in the market share of the petitioner. The Authority notes that the share of Japan in total imports was 76.97%, 89.80% and 11.21% in 96-97, 97-98 and 98-99 respectively. The share of USA in total imports were 0.80% in 1997-98 and 69.96% in 1998-99. Japan and USA cumulatively accounted for 81.16% of the total imports of Aniline during the period of investigation. Thus imports from the subject countries increased significantly during the period investigated.

Some interested parties have argued that the unusually low prices existing in the period of investigation was only a short term phenomenon due to low crude oil prices. However it is noted that export prices of Aniline from Japan to third countries were much higher than export prices to India. In the sales price structure for exports to countries other than India, of the co-operative exporter, the listed price is Y*** /kg. The export price at ex-factory level is Y*** /kg or USD *** /kg. In the sales price structure for exports to India, the listed price which is a weighted average listed price of the two shipments is Y *** /kg whereas the ex-factory price is Y*** or USD *** /kg at an average exchange rate of 1USD=Y128.01

Aniline's outlets in India are restricted mostly to only rubber chemicals, dyes and drug and drug intermediates. The Authority notes that even modest volumes of exports at dumped prices by major world manufacturers can affect Indian industry on account of the limited demand structure and the inability of domestic industry to match dumped prices. The Authority also notes that there have been no major fluctuations in demand for Aniline in India. The domestic industry is one of the smallest producers of Aniline in the world and the capacity of Indian industry is adequate to meet the demand for Aniline. The global prices of Aniline dropped significantly in 1998-99 and had an impact on the prices at which it was imported to India. This affected the operations and profitability of the domestic producers as aniline was dumped by major international manufacturers during the period of investigation

Imports from the subject countries undercut the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell at unremunerative prices. Resultantly, the domestic industry incurred

losses. The material injury to the domestic industry was, therefore, caused by the dumped imports from the said countries.

12. Anti-Dumping duty imposed:-

The Authority has carefully evaluated the injury caused to the domestic industry on account of dumping of Aniline from Japan and USA and has recommended the amount of anti-dumping duty equivalent to the dumping margin or less, which, if levied, would remove injury to the domestic industry. For this purpose, the Authority has compared the non-injurious selling price of the domestic industry with the landed value of imports from the subject countries. Wherever the margin is found to be less than the dumping margin, the Authority has recommended duty lower than the dumping margin.

13. FINAL FINDINGS:-

The Authority after considering the foregoing, concludes that:

- (a) Aniline originating in or exported from Japan and USA has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered injury;
- (c) injury has been caused by imports from the subject country.

14. The Authority recommends imposition of definitive Anti-dumping duty on all imports of Aniline falling under customs sub-heading no. 2921.41. of the Customs Tariff Act as specified under the para relating to product under consideration originating in or exported from Japan and USA. The anti-dumping duty shall be amount mentioned in Col.3.

Country	Name of the producer/exporter	Amount
1.	2.	3. (USD/kg)
Japan	(a) Sumitomo Chemical Co. Ltd	0 064
	(b) All other exporters	0 18
USA	(a) M/s E.I. duPont de Nemours & Co.	0 20
	(b) All other exporters	0 20

15. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

16. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 8th March, 2000.

17. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority